संसाधन समीक्षा

गतिविधि शीट-I : किसी दीवार पर मौजूद जीवन की खोज करें

उद्देश्य :

लावण्या कार्तिक की किताब *'दी गर्ल हू वॉज़ अ फॉरेस्ट'* हमें उस आनन्द के बारे में बताती है जो जानकी अम्माल को अपने घर के आस-पास ग़ैर-मानव जीव रूपों का अवलोकन करने में मिलता था। क्या आपको भी अपने आस-पड़ोस में कई प्रकार के पेड़-पौधे और जानवर दिखाई देते हैं? आप उन्हें कहाँ-कहाँ पा सकते हैं? क्या आपने उनमें से किसी को भी अपनी कक्षा या घर की दीवारों पर देखा है?

आपको चाहिए :

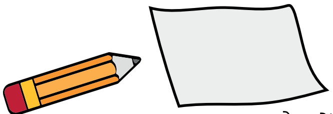

काग़ज़ और पेंसिल

मैग्नीफांइग लैंस (उपलब्ध हो तो)

क्या करें :

आप यह ख़ुद भी कर सकते हैं और किसी दोस्त के साथ भी। अपने स्कूल या घर की बाहरी दीवार का कोई एक हिस्सा चुनें। 15 मिनट तक उसका अवलोकन करें। काग़ज़ पर अपने अवलोकनों को दर्ज करें। वह दिन का कौन-सा समय है उसे भी दर्ज करें। जीवन के हर उस रूप (और वे जीव जो भी निर्माण करते हों) का वर्णन करने की कोशिश करें जो आपको दीवार पर दिखता हो और जितना अधिक हो सके उतने विस्तार से वर्णन करें। वह कैसा दिखता है? वह कितना बड़ा है? आपको उस पर कौन-कौन-से रंग दिखाई दे रहे हैं? आपको क्या लगता है वह दीवार का उपयोग किसलिए कर रहा है?

रिकार्ड :

अपनी नोटबुक में एक बॉक्स बनाएँ (जैसा कि इस पृष्ठ पर बना है)। आप इसे जितना लम्बा और जितना चौड़ा बनाना चाहें, बनाएँ। इस बॉक्स का उपयोग करके दीवार के उस हिस्से का चित्र बनाएँ जिसका आपने अवलोकन किया था। दीवार नई है या पुरानी? कौन-से रंग की है? चिकनी है या खुरदुरी? उस पर आपको कौन-से आकार, बनावट और पैटर्न दिखाई दे रहे हैं? आपको उस पर कौन-से जीव रूप दिखाई दिए?

रचनाकार :

नेचर क्लासरूम्स ऐसे प्रकृति शिक्षा संसाधन विकसित करता है जो प्रिपरेटरी स्टेज पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के पाठ्यक्रम के सीखने-सिखाने में सहयोग करते हैं। इसके अलावा यह स्कूली शिक्षकों और शिक्षाविदों के लिए प्रकृति से और प्रकृति के बारे में सीखने के लिए क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित करता है। यह सामग्री नेचर क्लासरूम्स को CC BY-SA 4.0 के अन्तर्गत लाइसेंस प्राप्त है। इस संसाधन को *आई वंडर...* के पाठकों के लिए संशोधित किया गया है और इसके अधिकार-धारकों की अनुमति से प्रकाशित किया गया है। आप नेचर क्लासरूम्स के और कामों को यहाँ https://www.natureclassrooms.org/ देख सकते हैं।

अनुवाद : भरत त्रिपाठी **पुनरीक्षण :** प्रतिका गुप्ता **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय